Today's Poem – 19.06.2014

विश्व का मालिक बनाने वाले बाप को बड़ी रूचि से याद करो

सतोप्रधान बनो और अपने को आबाद करो

जहाँ तक जीना

वहाँ तक अमृत पीना

पढ़ाई में अटेन्शन देना

अबसेन्ट नहीं होना

पदमों की कमाई जमा करनी

एक दिन भी मुरली मिस नहीं करनी

शिक्षाओं को धारण करना है

एक बाप की याद में रहना है

व्यक्त में रहते बनो अव्यक्त फ़रिश्ता

और अपनाओ पवित्रता

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!